मेरी उलझन ना सुलझी

मेरी उलझन ना सुलझी
मैं द्वारे तिहारे आया।
विपदाऐं खुद बोई हमने
काँटों में फूल न पाया।

सुलझाने को हर उलझन
तन साथ लिए आया अपने
पर अज्ञानी मन हे प्रभु जी
कभी साथ न मेरे आया।

माया मोह की भारी गठरी
बोझ लिए भटका जीवन
ज्योति तेरे दर की पावन
दरश भी ना कर पाया ,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7887/title/meri-ujlajhan-na-sulaji-main-daware-tihare-aaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |